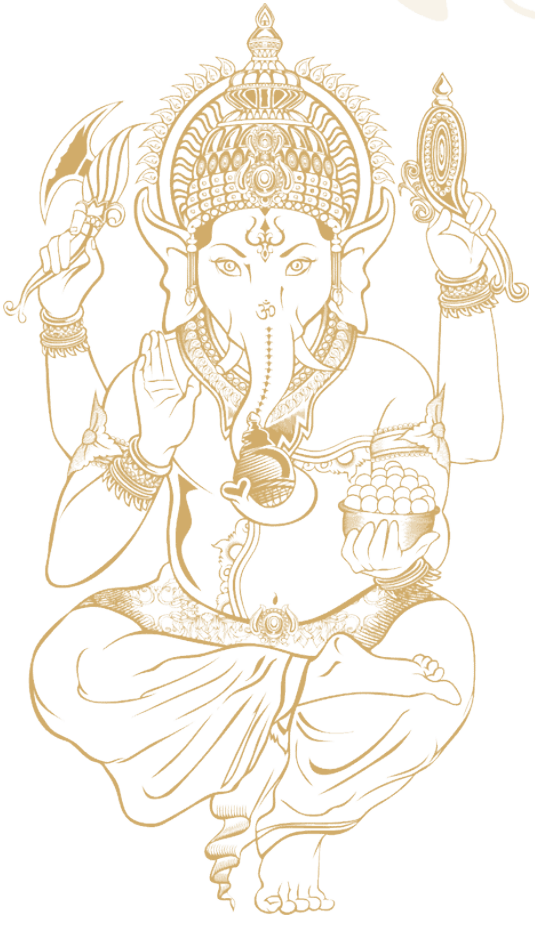

Mr.Durga gujar

08 Apr 2016

01:00 PM

Ajmer

Model: web-freekundliweb

Order No: 120441103

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**08/04/2016**
दिन	शुक्रवार
जन्म समय	**13:00:00 घंटे**
इष्ट	16:52:33 घटी
स्थान	**Ajmer**
राज्य	Rajasthan
देश	India

अक्षांश	26:29:00 उत्तर
रेखांश	74:40:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:31:20 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	12:28:40 घंटे
वेलान्तर	-00:01:46 घंटे
साम्पातिक काल	01:36:38 घंटे
सूर्योदय	06:14:58 घंटे
सूर्यास्त	18:51:42 घंटे
दिनमान	12:36:44 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वसन्त
सूर्य के अंश	24:48:52 मीन
लग्न के अंश	08:04:28 कर्क

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कर्क - चन्द्र
राशि-स्वामी	**मेष - मंगल**
नक्षत्र-चरण	**अश्विनी - 3**
नक्षत्र स्वामी	केतु
योग	विष्कुम्भ
करण	बव
गण	देव
योनि	अश्व
नाड़ी	आद्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	चतुष्पाद
वर्ग	सिंह
युँजा	पूर्व
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	चो-चोखी
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मेष

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कर्क	08:04:28	310:20:13	पुष्य	2	8	चंद्र	शनि	केतु	---
सूर्य			मीन	24:48:52	00:58:59	रेवती	3	27	गुरु	बुध	राहु	मित्र राशि
चंद्र			मेष	06:45:31	15:13:49	अश्विनी	3	1	मंगल	केतु	राहु	सम राशि
मंगल			वृश्चि	14:19:14	00:06:22	अनुराधा	4	17	मंगल	शनि	राहु	स्वराशि
बुध			मेष	10:13:38	01:46:28	अश्विनी	4	1	मंगल	केतु	शनि	सम राशि
गुरु	व		सिंह	20:37:33	00:05:24	पू०फाल्गुनी	3	11	सूर्य	शुक्र	गुरु	मित्र राशि
शुक्र			मीन	09:08:29	01:14:06	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	शुक्र	उच्च राशि
शनि	व		वृश्चि	22:09:47	00:01:22	ज्येष्ठा	2	18	मंगल	बुध	सूर्य	शत्रु राशि
राहु	व		सिंह	27:31:43	00:03:18	उ०फाल्गुनी	1	12	सूर्य	सूर्य	चंद्र	शत्रु राशि
केतु	व		कुंभ	27:31:43	00:03:18	पू०भाद्रपद	3	25	शनि	गुरु	शुक्र	शत्रु राशि
हर्ष			मीन	26:16:40	00:03:26	रेवती	3	27	गुरु	बुध	गुरु	---
नेप			कुंभ	16:49:18	00:01:53	शतभिषा	4	24	शनि	राहु	शुक्र	---
प्लूटो			धनु	23:22:34	00:00:18	पूर्वाषाढ़ा	4	20	गुरु	शुक्र	शनि	---
दशम भाव			मेष	01:58:07	--	अश्विनी	--	1	मंगल	केतु	शुक्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:05:00

लग्न-चलित

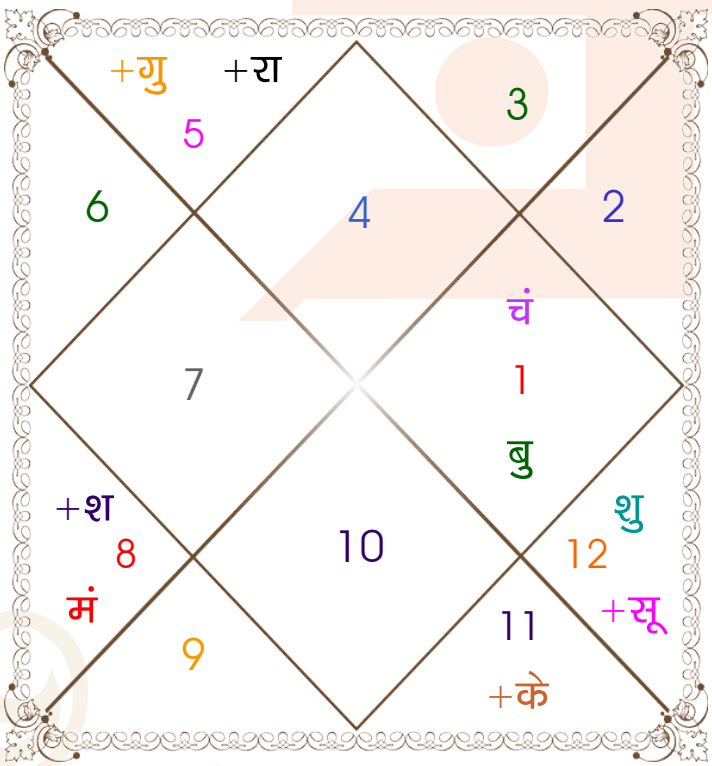

चन्द्र कुंडली

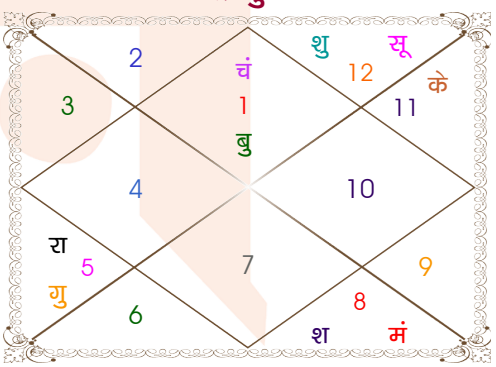

नवमांश कुंडली

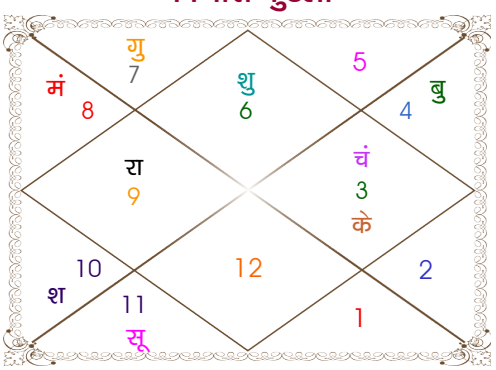

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : केतु 3 वर्ष 5 मास 12 दिन

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
08/04/2016		21/09/2019		21/09/2039		20/09/2045		21/09/2055	
21/09/2019		21/09/2039		20/09/2045		21/09/2055		21/09/2062	
	00/00/0000	शुक्र	20/01/2023	सूर्य	08/01/2040	चंद्र	22/07/2046	मंगल	17/02/2056
	00/00/0000	सूर्य	21/01/2024	चंद्र	09/07/2040	मंगल	20/02/2047	राहु	06/03/2057
	00/00/0000	चंद्र	20/09/2025	मंगल	14/11/2040	राहु	21/08/2048	गुरु	10/02/2058
	00/00/0000	मंगल	20/11/2026	राहु	09/10/2041	गुरु	21/12/2049	शनि	22/03/2059
	08/04/2016	राहु	20/11/2029	गुरु	28/07/2042	शनि	22/07/2051	बुध	18/03/2060
राहु	08/09/2016	गुरु	21/07/2032	शनि	10/07/2043	बुध	20/12/2052	केतु	15/08/2060
गुरु	15/08/2017	शनि	21/09/2035	बुध	15/05/2044	केतु	21/07/2053	शुक्र	15/10/2061
शनि	24/09/2018	बुध	22/07/2038	केतु	20/09/2044	शुक्र	22/03/2055	सूर्य	19/02/2062
बुध	21/09/2019	केतु	21/09/2039	शुक्र	20/09/2045	सूर्य	21/09/2055	चंद्र	21/09/2062

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
21/09/2062		20/09/2080		20/09/2096		22/09/2115		21/09/2132	
20/09/2080		20/09/2096		22/09/2115		21/09/2132		00/00/0000	
राहु	03/06/2065	गुरु	08/11/2082	शनि	24/09/2099	बुध	17/02/2118	केतु	17/02/2133
गुरु	27/10/2067	शनि	22/05/2085	बुध	04/06/2102	केतु	15/02/2119	शुक्र	19/04/2134
शनि	02/09/2070	बुध	27/08/2087	केतु	14/07/2103	शुक्र	16/12/2121	सूर्य	25/08/2134
बुध	22/03/2073	केतु	02/08/2088	शुक्र	12/09/2106	सूर्य	22/10/2122	चंद्र	26/03/2135
केतु	09/04/2074	शुक्र	03/04/2091	सूर्य	25/08/2107	चंद्र	22/03/2124	मंगल	22/08/2135
शुक्र	09/04/2077	सूर्य	21/01/2092	चंद्र	26/03/2109	मंगल	20/03/2125	राहु	09/04/2136
सूर्य	04/03/2078	चंद्र	22/05/2093	मंगल	05/05/2110	राहु	07/10/2127		00/00/0000
चंद्र	03/09/2079	मंगल	27/04/2094	राहु	10/03/2113	गुरु	12/01/2130		00/00/0000
मंगल	20/09/2080	राहु	20/09/2096	गुरु	22/09/2115	शनि	21/09/2132		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल केतु 3 वर्ष 5 मा 14 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म पुष्यनक्षत्र के द्वितीय चरण में कर्क लग्नोदयकाल हुआ था। उस क्षण मेदिनीय क्षितिज पर कर्क लग्न के साथ-साथ कन्या का नवांश एवं कर्क राशि का द्रेष्काण का भी उदय हुआ था। इस जन्म की आकृति से यह स्पष्ट होता है कि आपका जीवन आशानुरूप फलदायी होगा।

आप विश्वासी विलक्षण बुद्धि की कठिन परिश्रमी एवं दृढ़निश्चयी प्राणी है। आप निःसन्देह धन प्राप्ति की आकांक्षी हैं। परन्तु इसका अर्थ नहीं कि आप विश्वशघाती हैं। क्योंकि आप कभी भी किसी के साथ धोखा धड़ी अथवा कपटपूर्ण व्यवहार नहीं करेगीं। आप मनोयोग पूर्वक, कठिन श्रम करके यथेष्ठ धन सम्पत्ति उपार्जित करेंगी। आप आर्थिक रूप से श्रेष्ठ सौभाग्यशाली हैं। आप सदैव (एक समान) यात्रा करके अनेक तीर्थस्थल का परिदर्शन करेंगी। आप आस्तिक हैं तथा आपको पूर्ण विश्वास है कि ईश्वर सर्वशक्तिमान है। आप धर्म ग्रन्थों का अध्ययन कर धर्म के सम्बंध में पूर्ण ज्ञान प्राप्त कर सार्वजनिक सेवक के रूप में प्रस्तुत रह कर, सेवा कर्म करेंगी।

आप पूर्णरूपेण आश्वस्त हैं कि आप धर्म मार्ग पर चलकर, विश्व में सफलता प्राप्त करेंगी। आप 36 वें वर्ष से बहुत बड़ी भाग्यशाली होंगी।

आप गौरवर्ण की लम्बी दीर्घकाय महिला होंगी। आपके शरीर का उपरी भाग निचले भाग की अपेक्षा बहुत उन्नत एवं प्रभावशाली होगा। आपकी आकृति (स्वरूप) विस्तृत बड़ा मुँह, सुन्दर दाँतों से परिपूर्ण होगा।

बल्कि आपके जीवन के प्रारम्भ में कुछ दिनों तक आप शारीरिक रूप से सर्वोत्कृष्ट हो जाएंगी। परन्तु जीवन में एक लघु व्यवधान विद्यमान रहेगा। क्योंकि आपका क्षणिक उद्वेग एवं तनावपूर्ण मानस संभवतः हिस्टिरिया, मूर्छा एवं बेहोशीपन रोग को आमंत्रित कर सकता है। इसके विरूद्ध गम्भीर रूप से आपको सतर्कता बरतनी होगी। इसके अतिरिक्त आपको खान-पान पर भी नियंत्रण रखना पड़ेगा। क्योंकि आप अधिक भोजन करने वाली पेटू महिला हैं। आपको हर दशा में मध्यपान के उपयोग एवं लालच से बचना होगा।

आपका मैत्री का क्षेत्र विस्तृत होगा। वे लोग आपकी सामान्य प्रतिभात्मक मनोवृत्ति के अनुरागी अर्थात् प्रशंसक होंगे। वे लोग हर दशा में आपको सहयोग एवं समर्थन प्रदान कर, आपके सुन्दर जीवन के प्रति शुभकांक्षी रहेंगे।

आप में बहुत सुन्दर गुण विद्यमान है अर्थात् विश्वसनीय, सतर्क तत्पर एवं कर्मठ कार्य कर्त्ता हैं। आप अविश्वसनीयता को त्याग कर लोगों के साथ अच्छा व्यवहार करेंगी। ऐसा संभव है कि आप आंशिक परिवर्तित होकर उत्तम मार्ग की अनुगामी होंगी।

आप अपने पति के प्रति पूर्णतः समर्पित महिला है। परन्तु आप परिवार नियोजन में विश्वास नहीं करती हैं। आप निःसन्देह अपने पति से प्यार करती हैं। परन्तु आप बाहरी मामलों में कोई हस्तक्षेप करना नहीं चाहती ताकि अपने पति के साथ कोई गलती न हो जाए। आपके

लिए उत्तम तो यह है कि आप उत्तेजनात्मक प्रवृति का परित्याग कर दें। अन्यथा परिणाम स्वरूप घर परिवार में अनुपयुक्त वैमनस्यता हो सकता है। यदि आपको अपने पति के सम्बंध में विचार करना हो तो यह देखें कि उसका जन्म लग्न या राशि वृश्चिक या मीन हो तो समझ ले कि आप उस लड़के के साथ सामंजस्य स्थापित कर सकते हैं।

सामन्यतया कर्क राशि प्राणी की प्रवृति एवं कार्यकलाप व्यवसायिक होती है। इनके लिए व्यवहारणीय पेशा वृत्ति नौसेना, जहाजरानी कार्य, सिंचाई, नहर एवं पुल निर्माण विभाग आदि अनुकूल होते हैं। ये स्व निर्मित आत्मावलम्बी प्राणी होती हैं। यदि ये चाहें तो अपनी प्रतिष्ठा का विस्तार कर विश्वसनीय मंत्री या एक प्रशासनिक पदाधिकारी तक हो सकती हैं।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में शुक्रवार एवं शनिवार पूर्ण आनन्द प्रदायक नही होगा। मंगलवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन सफलता प्रदायक होगा। बुधवार का दिन चिन्तनीय एवं व्ययकारी होगा। परन्तु रविवार का दिन सचेत रहने योग्य है।

आपके लिए क्रीम, श्वेत, पीत एवं लाल रंग का व्यवहार उत्तम है परन्तु, हरा एवं ब्लू रंग सर्वथा त्यागनीय है। आपके लिए अंक 4 एवं 6 अंक अनुकूल है जबकि अंक 3 एवं 5 अंक अनुपयुक्त हैं।